भाकृअनुप – केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान

श्री गंगानगर राजमार्ग, बीछवाल, बीकानेर-334 006 (राज)

ICAR-CENTRAL INSTITUTE FOR ARID HORTICULTURE

Sri Ganganagar Highway, Beechwal-BIKANER-334 006

"खेत बचाओ अभियान" एक राष्ट्रव्यापी अभियान

दिनांक: 12.06.2026

आज दिनाक 12.06.2026 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा चलाए जा रहे ***"खेत बचाओ अभियान"*** पर राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर द्वारा सालासर एवं नाईयों की बस्ती में किसान के खेत पर आयोजित किया गया जिनमे **"खेत बचाओ अभियान** के अंतर्गत उर्वरकों का संतुलित उपयोग, प्राकृतिक खेती, सरकारी योजनाओं का लाभ एवं वैज्ञानिक सलाह, परिचर्चा, जागरूकता आदि पर चर्चा हुई। इस अवसर पर, संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. हनुमान राम, डॉ. लालचंद, डॉ. किशन लाल कुमावत, डॉ. पवन कुमार तथा डॉ. मनप्रीत कौर ने बागवानी फसलों में संतुलित खाद एवं उर्वरकों का फसलों मे उपयोग, प्राकृतिक खेती, एकीकृत पौष्टिक प्रबंधन द्वारा मिट्टी की उर्वरता और उत्पादकता बनाए रखने मे किसानों से विस्तृत रूप से चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान डॉ. हनुमान, वैज्ञानिक ने किसानों से बातचीत करते हुये बागवानी फसलें जैसे सब्जी, काचरी, काकड़िया, ग्वारफली, खेजरी की वैज्ञानिक खेती के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होने बागवानी फसलों की उन्नत किस्मों के महत्व एवं सही पोषण व्यवस्था पर जागरूक होने पर ज़ोर दिया।इसके साथ ही डॉ. लालचंद (वैज्ञानिक) ने बीलपत्र एवं नींबू वर्गीय फसलों की खेती एवं मौसम की विपरीत परिस्थितियों की समस्याओं का समाधान के बारे में बताया। उन्होने किसानो से आह्वान किया कि अधिक रसायनों का प्रयोग न करते हुये पौध आधारित बोटेनिकल का छिड़काव करें।

संस्थान की दूसरी टीम जिसमे डॉ. के. एल. कुमावत, डॉ. पवन कुमार, डॉ. मनप्रीत कौर व अन्य वैज्ञानिकों ने किसानों को ***खेत बचाओ अभियान*** के तहत विभिन्न प्रकार के पोषण प्रबंधन, जैविक खेती, प्राकृतिक खेती व अन्य विषयों /सरकारी योजनाओं पर विस्तृत रूप से चर्चा की। इस अवसर पर संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. के. एल. कुमावत ने बेर, लसोड़ा एवं बागवानी फसलों में संतुलित खाद एवं उर्वरकों प्रयोग, प्राकृतिक खेती, एकीकृत पौष्टिक प्रबंधन द्वारा मिट्टी की उर्वरता, मिट्टी जाँच और उत्पादकता बनाए रखने मे किसानों से विस्तृत रूप से चर्चा की। इसके साथ ही डॉ. पवन कुमार ने किसानों से रूबरू होते हुये किसानों को विभिन्न बागवानी फसलों में जैव-उर्वरक उपयोग करने की सलाह दी जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़े। ईसा अवसर पर डॉ. मनप्रीत कौर ने बागवानी फसलों की मूल्य संवर्धन एवं मार्केटिंग के बारे में बताते हुये खेत में संतुलित उर्वरक प्रबंधन, समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन द्वारा मिट्टी की सेहत की आवश्यकता की उपयोगीता पर जोर दिया।